१.४.३ एकत्रित प्रतिपुष्टि पर संस्थान द्वारा विद्वानों की परिषद गवर्निंग काउंसिल एवं अन्य प्राधिकरणों में चर्चा की जाती है। पाठ्यचर्या के पुननिर्माण के उपाय विचारित किए गए । पारंपरिक विद्वानों या विशिष्ट समूहों से चर्चा की।

विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों से ,अभिभावकों से ,अध्यापकों से पुरातनछात्रों से तथा हितधारकों से प्रतिपुष्टि करता है एवं प्राप्त सुझाावों के आलोक में पाठ्यक्रम की संरचना विकसित के लिए विभागीय अध्ययन समिति से प्रारभ्भ कर विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् में विचार प्रस्तुत करता है । संस्था इस सन्दर्भ में विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करती है । पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षण स्तर में अपेक्षित सुधार कर अन्य प्रतिपुष्टियों का भी निश्चित समयावधि में विचारविमर्शोपरान्त क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाता है । विद्यार्थियों का परामर्श हमेशा माध्यम से एकत्र किया जाता है और यदि कोई विषय आपत्तिजनक होता है तो संबंधित परिषद् द्वारा उचित समय पर उनका संशोधन किया जाता है। पिछले पांच वर्षों में, २०१८ से २०२३ तक, विभिन्न प्रासंगिक प्रश्नों के अनुसार विभिन्न संवर्गों से प्रतिक्रिया एकत्र करके पाठ्यक्रम में निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं।

- छात्रों से प्राप्त पतिपुष्टि के आधार पर विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में परिवर्द्धतन करते हुए संगणक एवं अंग्रेजी विषय को समाहित किया गया है ।
- प्रमाणपत्रों एवं उपाधियों पर शास्त्री व आचार्य के साथ- साथ समकक्ष उपाधि B.A,M.A का भी उललेख किया जाता है ।
- पुस्तकालय में में १०० से अधिक विद्यार्थियों के एक साथ बैठने की व्यवस्था सुदृढ़ की गई है। पुस्तकालय की समयावधि में भी संशोधन किया गया है । साथ ही विभागीय पुस्तकालयों में पुस्तकों की संख्या वृद्धि की गई है ।
- छात्रों की मॉग के अनुरूप सम्पूर्ण परिसर को छात्रावास सहित संगणक से एवं WI-FI सुविधा से युक्त किया गया है ।
- सेना में धर्म गुरु की उपाधि की मान्यता के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा रक्षा मंत्रालय के साथ संवाद स्थापित कर समस्या का समाधान किया गया।
- उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा आचार्य की उपाधि में संस्कृत एमए की समकक्षता के सन्दर्भ में प्राप्त आपत्ति का विश्वद्यालय द्वारा समकक्षता प्रमाणपत्र जारी कर छात्रहित में यथाशीघ्र निराकरण प्राचीन व नव्य व्याकरण को लेकर झारखंड सेवा आयोग द्वारा उठाई गई आपत्ति का भी विश्वविद्यालय द्वारा सर्वकार से वार्ता छात्र हित में समाधान किया गया ।

- छात्रावासों में शौचालयों और कक्षाओं की स्वच्छता में व्यापक सुधार करते हुए इसमें निरन्तरता लायी गई है ।
- सभी संवर्गों से प्राप्त प्रतिपुष्टि के अनुरोध से शास्त्रीय कक्षा में संस्कृत की अनिवार्यता को कार्यपरिषद् द्वारा शिथिलता प्रदान की गई है ।
- छात्रों की सुविधा के लिए सेतु, प्रमाणपत्रीय व ऑनलाईन पाठ्यक्रम संचालित प्रारंभ किए गए है ।
- छात्रों की अपेक्षा के अनुरूप कठिन विषयों के अध्यापन के लिए विशेषकक्षाएँ, सम्भाषण शिविर तथा ऑनलाईन अध्यापन भी प्रारम्भ किया गया है ।
- स्वास्थ्य केंद्र का नवीनीकरण कर इसका पुनः संचालन किया गया। छात्रों की मॉग के अनुरूप विश्वविद्यालय एक मनोरंजन केंद्र स्थापित करने का भी प्रयास कर रहा है।
- छात्रों की आजीविका के लिए संस्थान के हितधारकों और नियोक्ताओं के साथ संचार और संपर्क स्थापित किया गया है और पाठ्यक्रम को तदनुसार संशोधित और परिष्कृत किया गया है।
- प्रतिपुष्टि के परिप्रेक्ष्य में सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में बाह्य वाहनों और व्यक्तियों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है ।
- छात्रों के मॉग पर विविध छात्रवृत्ति परियोजनाएँ एवं पारितोषिक प्रदान किए जा रहे हैं ।
- छात्रासवास में छात्रों के भोजन की व्यवस्था के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास जैसी संस्थाओं सं संवाद स्थापित किया गया है ।
- शैक्षणिक आदान-प्रदान के लिए संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, आईआईटी कानपुर और इग्नू जैसे विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन MOU स्थापित किए गए हैं।
- शैक्षणिक प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रकल्प, शास्त्रार्थ-वाक्यार्थ कार्यक्रम, श्लोकांत्याक्षरी कार्यक्रम, युवमहोत्सव और क्रीडा महोत्सव एवं युवा महोत्सव निरन्तर आयोजित किये जा रहे हैं ।
- प्रतिपुष्टियों के आलोक में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष मार्गदर्शन कक्षाओं का आयोजित किया जा रहा है ।
- संस्कृत भाषा, अर्थशास्त्र, ज्योतिष, अर्चक और वास्तुकला पर स्वतंत्र कार्यक्रम ऑनलाईन प्रारम्भ किए गए हैं । मंदिर प्रबंधन और कथाप्रचन के पाठ्यक्रम शीघ्र ही आयोजित किए जाने की योजना है ।
- छात्र के अनुरोध पर परीक्षा में पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है । अद्यावधि मात्र पुनर्गणना की व्यवस्था ही विद्यमान थी ।

- विश्वविद्यालय द्वारा सरल मानक संस्कृत पर नूतन पुस्तकें प्रकाशित की गई हैं तथा प्रकाशन विभाग से ४० प्रतिशत न्यूनतम शुल्क पर छात्रों के लिए उपलब्धता सुनिश्चित की गई है ।
- प्रतिपुष्टि के आधार पर के लिए छात्रों के अनुरोध पर लैंगिक समानता,प्लेसमेंट सेल ,रेमेडियल कोचिंग तथा परामर्श समिति का गठन किया गया है।
- महिला छात्रों के लिए शौचालय आदि की व्यवस्था, दिव्यांगजनों के लिए रैम्प द्वारा प्रवेश की व्यवस्था एवं महिलाओं के लिए एक महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की स्थापना की गई।
- निःशुल्क परामर्श शिविरों का आयोजन किया गया है ।
- ज्योतिष परामर्श केंद्र की स्थापना , पांडुलिपियों पर अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन, पांडुलिपि विवरणों का प्रकाशन और छात्रों की उपलब्धि के स्तर को बढ़ाने के लिए विविध कार्यक्रम प्रतिपुष्टियों के आलोक में किए गए हैं ।
- प्रवेश, परीक्षापत्र,पाठ्यक्रम, प्रकाशनसूची समस्त प्रकल्प ऑनलाईन कर दिया गया है । छात्रों की समस्या को दृष्टिगत करते हुए समस्त उपाधियो को भी डिजीलॉकर पर अपलोड कर दिया गया है । **OLMS** की स्थापना हेतु भारत सर्वकार के समर्थ पोर्टल से संवाद स्थापित किया जा चुका है । सम्प्रति ऑनलाईन द्वारा अर्जित क्रेडिट का समंजन नियमित पाठ्यक्रमों में करने हेतु संस्था अग्रसर है ।
- पुरातन छात्र समिति का गठन करते हुए निरन्तर प्रतिक्रयाओं को प्राप्त किया जा रहा है ।
- छात्र कल्याण के तत्वावधान में समस्या निवारण प्रकोष्ठ एवं एक सहायता सम्पर्क नंबर स्थापित किया गया है।
- विश्वविद्यालय के पूर्वछात्र एवं समाज के विविधि वर्ग से चर्चा करने के उपरान्त उसकी समीक्षा करते हुए अग्रेतर कार्यवाही की जाती है ।

सैन्य, पत्रकारिता, प्रशासन, शिक्षण, उपदेश, अनुष्ठान और पादरी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय के स्नातकों द्वारा सेवा की जा रही है । विश्वविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं विभिन्न स्तरों से परामर्श एकत्र कर उनका समायोजन विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तंत्र के अनुसार किया जाता है।

1.4.3Q$_1$M इत्थं सङ्गृहीता प्रतिपुष्टिः- संस्थया विद्वत्परिषदि / शासिपरिषदि/न्यायसभायाम्/ अन्येषु प्राधिकारेषुचर्चिता।पाठ्यचर्यायाःपुनःनिर्माणायउपयुज्यते। पारम्परिकैःविद्वद्भिःप्रवरगणैः वा सह चर्चिता।

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः स्वहितधारकेभ्यः प्रतिपुष्टिं संगृह्य पाठ्यचर्यायाः संरचनायां विकासे प्रतिपुष्टेः प्रयोगं विधत्ते। अनेकेभ्यः खलु हितधारकेभ्यः युगानुगुणं प्रतिपुष्टिमंगीकर्त्तुं प्रतिपुष्टेः स्वरूपं निर्धारयितुं सम्बद्धविषयविशेषज्ञैः संस्थानेऽस्मिन् मार्गदर्शनमवाप्तं विद्यते। पाठ्यक्रमानुगुणं शास्त्रिस्तरीयाणां आचार्यस्तरीयाणां

विद्यावारिधिस्तरीयाणां छात्राणां च पाठ्यक्रमनिर्माणे सहभागिता भवति। विविधप्रकल्पद्वारा छात्राणां परामर्शः संगृह्यते सहैव यदि कश्चिद् विषयः आपत्तियुक्तः तेषां संशोधनं समयानुगुणं सम्बद्धपरिषदा क्रियते। अस्मिन् विश्वविद्यालये पाठ्यक्रमसम्बद्धाः आपत्तयः शास्त्राधारितच्छात्रैः आधुनिकच्छात्रैश्च संगृह्य तेषां यथासमयं निराकरणञ्च क्रियते। विगतेषु पंचवर्षेषु २०१८ तः २०२३ पर्यन्तं विविधसान्दर्भिकप्रश्नानुसारं विविधेभ्यः हितधारकेभ्यः युगानुरोधेन प्रतिपुष्टिं संकल्य पाठ्यचर्चायां आवश्यकानि परिवर्तनानि अधोनिर्दिष्टानि वर्तन्ते।

१-छात्रेभ्यःप्राप्तप्रतिपुष्टयः- विश्वविद्यालये विविधक्षेत्रेषु छात्रेभ्यः प्रतिपुष्टयः अवाप्यन्ते। तेषां प्रतिपुष्टिक्रमे इमे उपक्रमाः विश्वविद्यालयेन समायोजिताः -

- पाठ्यचर्यायां प्रतिवर्षं संशोधनं विधीयते यथा छात्राणां प्रतिपुष्ट्या पाठ्यक्रमेषु संगणकीयः विषयः विकल्पेन दत्तः।
- पुस्तकालये शताधिकानां छात्राणामुपवेशनव्यवस्था दृढीकृता अस्ति । पुस्तकालयस्य समयोपि ४.३० तः ६.३० पर्यन्तं वर्द्धितः ।
- शास्त्रिकक्षायाः आचार्यकक्षायाश्च प्रमाणपत्रे अंकपत्रे च प्राचीनसंकेतपूर्वकं समकक्षोपाधेः (B.A/M.A) लेखनं प्रारब्धम् ।
- सैन्यक्षेत्रे धर्मगुरूपदाय उपाधेः मान्यताविषये विश्वविद्यालयप्रशासनद्वारा रक्षामन्त्रालयेन सह वार्तां विधाय समस्या दूरीकृता ।
- झारखण्डसर्वकारस्यापि प्राचीननव्यव्याकरणविषये या आपत्तिरासीत् , तस्याः अपि निराकरणं छात्रहितदृष्ट्या विश्वविद्यालयपक्षतः विहितम् ।
- छात्रावासेषु शौचालयादीनां कक्षादीनां च पूर्वापेक्षया स्वच्छतायास्सम्पादनं कारितम् ।
- सर्वेषां पक्षतः प्राप्तप्रतिपुष्ट्यनुरोधेन शास्त्रिकक्षायां संस्कृतस्य अनिवार्यता शिथलीकृता ।
- छात्राणां सौकर्याय सेतुपाठ्यक्रमाः/प्रमाणपत्रपाठ्यक्रमाः/अन्तर्जाल(Online) पाठ्यक्रमाश्च संचाल्यन्ते ।
- स्वास्थ्यकेन्द्रस्य पुनः दृढीकृरणं विधाय संचालनं प्रारब्धम्। मनोरंजनकेन्द्रमपि स्थापयितुं विशविद्यालयः यतमानः ।
- संस्थायाः हितधारकेभ्यः नियोजकेभ्यश्च छात्राणामाजीविकायाः कृते संवादः विहितः सम्पर्कश्च स्थापितः तदनुगुणं पाठ्यक्रमे च संशोधनं परिष्करणं च विहितमस्ति ।
- प्रतिपुष्ट्याः आलोके परिसरे बाह्यवाहनानां जनानां च प्रवेशः पूर्णतया निषिद्धः कृतः ।

- छात्राणामनुरोधेन छात्रवृतिप्रकल्पाः उन्मोचिताः।
- छात्राणां कृते भोजनव्यवस्थायाश्च कृते काशीविश्वनाथमन्दिरमेन सह वार्ता विहिता।
- शैक्षणिकविनिमयदृष्ट्या विविधाभ्यः संस्थाभ्यः यथासंस्कृतसंवर्द्धनप्रतिष्ठानम्,सोमनाथसंस्कृतविश्वविद्यालयः, IIT Kanpur, Ignou प्रभृतिभिः संस्थाभिः सह MOU स्थापितम् ।
- छात्राणामनुरोधेन वाग्वर्द्धिनीसभाः, शैक्षिकभ्रमणम्,शास्त्रार्थ-वाक्यार्थश्लोकान्त्याक्षरीकार्यक्रमाः युवमहोत्सवाः क्रीडोत्सवाश्च समायोजिताः सन्ति ।
- छात्राणां प्रतिपुष्ट्या प्रतियोगिपरीक्षायाश्च कृते निदर्शनकक्षाः निर्धारितसमयातिरिक्ततया संचाल्यन्ते ।
- प्रतिपुष्ट्या एव हिन्दूअध्ययनविषये योगविषये स्वतंत्ररूपेण कार्यक्रमाः संस्कृतभाषा- अर्चक-ज्योतिष-कर्मकाण्ड-वास्तुविषयेषु च ऑनलाईनमाध्यमेन पाठ्यक्रमाः प्रारब्धाः, मंदिरप्रबंधनम्, कथाप्रवचनविषयकाः पाठ्यक्रमाश्च शीघ्रतया संचालयिष्यन्ते ।
- छात्राणमनुरोधेन परीक्षायां पुनर्मूल्यांकनप्रक्रिया समारब्धा विद्यते । इदानीं यावत् केवलं पुनर्गणना एवासीत् ।
- वैकल्पिकविषयाणां ग्रहणविषये च विकल्पाः वर्द्धापिताः।
- कौशलविकासपाठ्यक्रमाः रोजगारपरकपाठ्यक्रमाश्च नूतनतया समायोजिताः ।
- सरलमानकसंस्कृतदृष्ट्या नूतनानां पुस्तकानां प्रकाशनं विश्वविद्यालयपक्षतः कृतमस्ति । तत्र छात्राणां कृते न्यूनशुल्कपूर्वकं ते ग्रन्थाः प्रकाशनविभागतः समुपलब्धास्सन्ति ।
- छात्राणां प्रतिपुष्ट्यनुरोधेन लैंगिकसमानता-प्लेसमेण्ट- उद्योगपरामर्शसमितयः कार्यरतास्सन्ति ।
- प्रतिपुष्ट्यनुरोधेनैव पुरातनछात्रसमितेः संघटनं विधाय विचारविमर्शोपक्रमः प्रारब्धः ।
- समस्यापेटिका , सहायतासम्पर्कसूत्रसंख्या च स्थापिता ।
- जलविद्युदादीनां निर्बाधतया आपूर्तिविषये मनोरंजनविषये च ये विषयाः छात्रैः उपस्थापिताः तेषां प्रतिपालकैः विश्वविद्यालयस्य निर्माणविभागेन सम्पत्तिविभागेन छात्रकल्याणसंकायाध्यक्षद्वारा च सामूहिकतया विधीयते।
- विभागे मेन्टरमेण्टीद्वारा आवंटनं विधाय छात्राणां प्रगतिविवरणं संगृह्यते ।
- महिलाछात्राणां कृते शौचालयादीनाम् व्यवस्था कृता दिव्यांगजनानां गमनागमनमार्गव्यवस्था सम्पादिता महिलानां कृते आपत्तिनिवारणप्रकोष्ठश्च स्थापितः ।

- ज्योतिषपरामर्शकेन्द्रम्,पाण्डुलिपिविषये शोधप्रोत्साहनाय कार्यशालाः, पाण्डुलिपिविवरणिकाप्रकाशनं छात्राणामधिगमस्तरप्रबोधनाय कार्यक्रमाश्चानुष्ठितास्सन्ति ।
- छात्राणमनुरोधैनेव विश्वविद्यालये प्रवेशप्रक्रिया परीक्षायामावेदनं परीक्षाप्रवेशपत्रम् परिणामविवरणं अंकतालिकाप्रदानं च अन्तर्जालमाध्यमेन क्रियते । सर्वे उपाधयश्च डिजीलॉकरमध्येपि स्थापिताः ।

विश्वविद्यालयात् उपाधिगृहीतेभ्यः छात्रेभ्यः विविधक्षेत्रेषु जीविकोपलब्धयः भवन्ति, यथसैन्य-पत्रकारिकता-पशासन-अध्यापन-प्रवचन-कर्मकाण्ड-पौरोहित्यादि क्षेत्रेषुसंस्थापितानां संस्थानां पक्षतः तेषां प्रतिपुष्टयः कार्यशैलीविवरणञ्च संगृह्यते। सैन्यक्षेत्रे धर्मगुरू इति पदे अस्य विश्वविद्यालस्य उपाधिधारकः छात्राः नियोजिताः भवन्ति। यदाकदासैन्याधिकारिभः शास्त्रि-उपाधिविषये आपत्तिः कृता, विश्वविद्यालयस्तरे कुलपति-कुलसचिवस्तरे च बहुधा पत्राणि लिखितानि, ततः समस्या निवारिता येनविश्वविद्यालीयच्छात्राणां तत्र सेवायां नियोजनमपि जातम् । उ०प्र०उच्चतरशिक्षा सेवाचयनबोर्डद्वारा आचार्यउपाधिविषयेऽपिसंस्कृत एम०ए० समकक्षताविषये आपत्तिः उद्भाविता, विश्वविद्यालयद्वारा समकक्षताप्रमाणपत्रं प्रदाय समस्यानिवारणम् अभवत्। विश्वविद्यालयस्य विविधेषु प्रकल्पेषु पुरातनछात्राणामपि परामर्शं आपत्तिं च विश्वविद्यालयः संगृह्य क्रियान्वयनं करोति। पुरातनच्छात्रसमागमे खलु सम्मेलने समागतानां छात्राणामनुभवः तथा च तेषां प्रतिपुष्टिः विश्वविद्यालयद्वारा संगृह्यते तदनुगुणं परिवर्तनं परिवर्धनं च विविधनिकायस्तरेषु विधीयते ।